Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

समेकित बाल विकास परियोजना की सामाजिक अंकेक्षण का प्रतिवेदन

ग्राम पंचायत– पचीरा, जिला– अररिया

दिनांक– 27 मई से 2 जून 2011

–

प्रतिवेदन तैयारकर्त्ता– कुन्दन लाल साह(पी0 एच0 आर0 एन0), बिहार

सहयोगकर्त्ता– जनजागरण शक्ति संगठन, अररिया

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

अररिया जिले में जिला प्रशासन, अररिया, गैर सरकारी संगठन से जन जागरण शक्ति संगठन, अररिया, पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क,बिहार , कोशिश चैरिटेबल ट्रस्ट,बिहार एवं एक्शन एड के संयुक्त प्रयास से 27 मई 2011 से 3 अगस्त 2011 तक सामाजिक अंकेक्षण किया जा रहा है जिसमें 3 योजनाएँ शामिल है जो निम्नवत् है—:

1 मनरेगा,

2 समेकित बाल विकास परियोजना

3 वृद्वावस्था पेंशन योजना।

प्रकिया (Process)

सर्वप्रथम इस सामाजिक अंकेक्षण करने से पहले जन जागरण शक्ति संगठन के लोग ने गैर सरकारी संगठनों से सम्पर्क किया तथा इस अंकेक्षण पर चर्चा हुई। तदोपरान्त जिला प्रशासन अररिया को इस अंकेक्षण के बारें में सूचना दी गई जिसे अररिया के जिलाधिकारी श्रीमान् एन0 सरवनन ने इस तरह की पहलों की सराहना की साथ—ही—साथ जिला प्रशासन की ओर से इसमें पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया गया। जिला प्रशासन की ओर से एक 26/5/2011 को एक जिला स्तरीय समन्वय समिति गठन के लिए एक आदेश निकाला गया जिसको निम्नलिखित व्यक्तियों को इसकी प्रतियॉ भेजी गई, जो निम्नवत् है—:

1 उप विकास आयुक्त, अररिया/निदेशक, राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम, अररिया/निदेशक, लेखा एवं स्वनियोजन, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, अररिया/श्री स्वतंत्र कुमार, कार्यक्रम पदाधिकारी, अररिया/सभी कार्यक्रम पदाधिकारी,नरेगा/सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी/कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, अररिया/फारबिसगंज/नगर पंचायत, जोगबनी/जिला शिक्षा अधीक्षक, अररिया/चयनित पंचायत के मध्यम विद्यालय के प्रधानाध्यापक।
2 राजे एजाज खान, पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क।
3 रूपेश कुमार, सलाहकार, बिहार, सुप्रिम कोर्ट।
4 विनय ओहदार, एक्शन एड, पटना।
5 नेहरू युवा केन्द्र, अररिया।
6 महासचिव, जनजागरण शक्ति संगठन, बिहार, अररिया।

इस आवेदन में स्पष्ट किया गया था कि मनरेगा कार्यो का विशेष अंकेक्षण हर प्रखंड के सभी चालू most recently closed कार्यो में से 'random sampling' द्वारा चुने गए किसी भी दस कार्य स्थलों पर किया जाएगा। समेकित बाल विकास परियोजना के विशेष सामाजिक अंकेक्षण हेतू प्रति प्रखंड एक—एक पंचायत की सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों को चिन्हित किया गया हैं। उक्त पंचायत में वित्तीय वर्ष 2009—10 और 2010—11 में किए गए बाल विकास कार्यो का सामाजिक अंकेक्षण साथ—ही—साथ इसमें यह भी स्पष्ट कर दिया गया था कि सामाजिक अंकेक्षण सदस्य को सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों की सूचना दो सप्ताह पूर्व उपलब्ध करा दिया जाएं इसके लिए बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को निर्देशित किया गया था।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

जिला स्तरीय प्रशिक्षण (District Level Training)

26 मई 2011 को पूर्व नियोजित तिथि के अनुसार एक जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन प्रशासन तथा स्वयंसेवी संगठनों के बीच समन्वय के लिए किया गया। यह प्रशिक्षण अररिया स्थित समाहरणालय के ATMAN HALL, में किया गया जिसमें निम्नलिखित व्यक्तियों ने भाग लिया—:

1 श्री एम0 सरवनन, जिलाधिकारी, अररिया।

2 डी0डी0 सी0, अररिया

3 श्रीमति गरीमा मल्लिक, पुलिस अधीक्षक, अररिया।

4 जिला कल्याण पदाधिकारी, अररिया।

5 जिला शिक्षा अधीक्षक, अररिया।

6 सभी प्रखण्डों की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी।

7 सामाजिक अंकेक्षण के क्षेत्र के मध्य विद्यालय के प्राधानध्यापक।

8 प्रखण्ड के प्रोग्राम पदाधिकारी, मनरेगा।

9 जनजागरण शक्ति संगठन से आशिष रंजन , कामायनी स्वामी, रंजित कुमार, अरविन्द एवं जनजागरण के स्टुडेण्ट्स भॉलिन्टीयर।

10 पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क से राज्य समन्वयक राफे एजाज खान एवं कुन्दन लाल साह।

11 कोशिश चैरिटेबल ट्रस्ट से रूपेश कुमार एवं रितविज।

सत्र की शुरूआत परिचय के साथ किया गया। परिचय खत्म होने के बाद मजदूर किसान शक्ति संगठन की जनसुनवाई को प्रोजेक्टर पर दिखाया गया। इसके बाद आशीष ने पूर्व में किए गए अररिया जिले में मनरेगा के सामाजिक अंकेक्षण पर प्रकाश डाला । इसके बाद कामायनी ने सामाजिक अंकेक्षण का मतलब क्या होता है, क्यों किया जाता है और इसके फायदें क्या है इस पर प्रकाश डाली। पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क के राज्य समन्वयक राफे ने समेकित बाल विकास परियोजना की महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होनें स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े मुद्दे एवं सामाजिक अंकेक्षण के उद्देश्यो पर प्रकाश डालते हुए इस पूरी प्रकिया को ऐतिहासिक बताएं। जिला प्रशासन की ओर से स्वयं सेवी संगठनों को शामिल करने की पहल को भी सराहनीय कदम बताएं। उन्होनें जिलाधिकारी महोदय से आग्रह किया की सामाजिक अंकेक्षण की पूरी प्रकिया की एक दस्तोवजीकरण (Documentation) होना चाहिए जिससे की इस प्रकार की कामों को अन्य जिला में जिला प्रशासन की सहयोग से कराया जा सकें। उन्होनें जिला प्रशासन से ये भी आग्रह किया कि इस सारी प्रकिया में व्यवस्था को दोषमुक्त कर सेवाओं को लक्षित समूह तक पहुँचाने का काम सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी महोदय ने साफ शब्दों में कहें कि प्रशासन का काम इनको सारी लाजिस्टीक उपलब्ध कराना है साथ में अंकेक्षण टीम के साथ समन्वय बनाकर रखना है कोई भी सरकारी तंत्र क्षेत्र में हो रहे अंकेक्षण के समय उपस्थित नहीं रहेगे। अंकेक्षण सिर्फ

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

स्वंयसेवी संगठनों के लोग करेगें। जिलाधिकारी महोदय ने निम्नलिखित विभागों को निम्नलिखित उत्तरदायित्व निभाने का आदेश दियें–:

1 जिलाधिकारी कार्यालय– अकेंक्षण में प्रयुक्त होने वाले सारी सामग्रीयां।

2 जिला शिक्षा विभाग– अंकेक्षण टीम को रहने एवं खाने की व्यवस्था।

3 जिला पुलिस कार्यालय– जनसुनवाई के समय पुलिस की समुचित व्यवस्था।

4 समेकित बाल विकास परियोजना कार्यालय– आंगनबाड़ी सम्बन्धित सारी कागजात उपलब्ध कराना एवं जनसुनवाई के समय उपलब्ध रहना।

5 जिला ग्रामीण विकास अभिकरण– मनरेगा सम्बन्धित सारी कागजात उपलब्ध कराना एवं जनसुनवाई के समय उपलब्ध रहना।

इसके बाद जब कामायनी के द्वारा आगनबाड़ी सम्बन्धित कागजात पर चर्चा कर रही थी उसी समय एक बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने कहा कि अररिया में वजन करने की मशीन तो है परन्तु वजन अभी नहीं किया जा रहा है क्योंकि GROWTH CHART का प्रशिक्षण अभी नहीं हो पाया है जिसके कारण ये कार्य हमलोगों के क्षेत्र में नहीं हो पा रहा है। इसपर जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि अगर ये कार्य नहीं हो रहा है तो कोई बात नहीं है बाकि की कागजात अविलम्ब उपलब्ध कराया जाय।

PREPARATION OF SOCIAL AUDIT FORMAT

प्रशिक्षण खत्म होने के बाद जनजागरण शक्ति संगठन की ओर से कामायनी एवं आशिष तथा पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क की ओर से कुन्दन लाल साह के द्वारा समेकित बाल विकास परियोजना में इस्तेमाल होने वाले प्रपत्र(Format) and Handbill का प्रारूप तैयार किया गया जिसें सारी संस्थाओं के सामने उसे रखा गया एवं उनकी सहमति ली गयी। इससे कुछ बातें निकल कर आयी जिससे उसे आगे जोड़ा जा सका। इसमे तीन तरह की प्रपत्र बनायी गयी जो निम्नवत् है–:

1 सूखा पोषहार (Take Home Rasan), प्रत्येक गर्भवती, धात्री, कुपोषित बच्चें एवं अतिकुपोषित बच्चें का ।

2 बच्चों की उपस्थिति पंजीकरण(Attendance Sheet of Children)

3 सूखा पोषाहार एवं बच्चों की उपस्थिति का अलग–अलग समेकित प्रपत्र

4 जनसुनवाई के लिए रिपोर्टिग प्रपत्र।

5 आंगनबाड़ी साक्षात्कार प्रपत्र।

हैण्डवील में समेकित बाल विकास परियोजना के उद्देश्यों, सेवाओं एवं स्कूल पूर्व शिक्षा के दौरान पके हुए भोजन की मात्रा के साथ–साथ प्रत्येक दिन की मिनू एवं सूखा पोषाहार की मात्रा एवं उसकी लाभार्थियों की संख्या को लिखा गया है।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

PREPARATIONS BEFORE SOCIAL AUDIT IN THE FIELD

पंचायत जाने के पूर्व उस पंचायत की सारी सूचना को प्रपत्र पर अंकित कर लिया जाता है। जिसमें कागज के अनुसार दि गयी सूचना होती है। जैसे कि किसी आंगनबाड़ी केन्द्र पर एक साल में किन–किन लाभार्थियों को लाभ मिला। अगर लाभ मिला तो उसको कितना दिया गया। जब ये काम पूरा हो जाता है तो अंकेक्षण टीम फील्ड जाती है। फील्ड में दो टीम बनाया जाता है एक टीम आंगनबाड़ी एवं दूसरी टीम मनरेगा का सामाजिक अंकेक्षण करती है।

REPORT OF SOCIAL AUDIT IN PACHIRA PANCHAYAT AT RANIGANJ BLOCK

Introduction of Pachira Panchayat

रानीगंज प्रखण्ड स्थित पचीरा पंचायत में कुल 9 आंगनबाड़ी केन्द्र कार्यरत है। इस क्षेत्र में अधिकांश जनसंख्या अनुसूचित जाति, एवं मुस्लिम समुदाय की है। अनुसूचित जनजाति के लोग भी इसमें निवास करते है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों में शिक्षा की कमी है। अधिकांश लोग खेत मजदूरी का काम करती है जिसमें महिलाओं की संख्या भी अधिक है। इस पंचायत के अधिकांश घर मिट्टी एवं बांस के बने होते है। इस पूरी पंचायत में दो स्वास्थ्य उप केन्द्र अवस्थित है एक सहयोग समिति पचीरा एवं दूसरा कमलपुर। इस क्षेत्र में जो 9 आंगनबाड़ी अवस्थित है वो निम्नवत् है–:

कम सं0	आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	केन्द्र संख्या	आंगनबाड़ी सेविका का नाम	आंगनबाड़ी सहायिका का नाम
1	दर्शन ऋषिदेव टोला	169	अनुराधा देवी	अम्बिका देवी
2	मुसहरी टोला, पचीरा	168	बीबी रफत जहॉ	बीबी जरीना खातून
3	शरणार्थी टोला, कजरा	164	गूंजन कुमारी	बीबी महबून निशा
4	ब्राहण टोला, कमलपुर	165	सुलेखा देवी	लीला देवी
5	आदिवासी टोला, कजरा	166	निलम कुमारी	दनिया देवी
6	गोड़ी टोला	171	सरला कुमारी	चन्दन देवी
7	गोस्वामी टोला	170	अनिता देवी	मीणा देवी
8	तितवाहा टोला	172	कंचन कौशकी	तरीया देवी
9	सहयोग समिति	167	सरोज देवी	शोभा देवी

Summary Findings of after Aganwari Sevika Interview

9 आंगनबाड़ी सेविकाओं में 8 का साक्षात्कार किया गया जिसमें निम्नलिखित बातें निकलकर आयी–:

ढांचागत संरचना (Infrastructure)

9 आंगनबाड़ी केन्द्रों में से सिर्फ 3 केन्द्र पक्के के मकानों में चलते है बाकि 6 केन्द्र मिट्टी एवं बांस के बनें घरों में चलते है। 6 केन्द्र किराये के मकान पर चलता है। 9 में सिर्फ 1 आंगनबाड़ी केन्द्र, मुसहरी टोला, पचीरा जो मध्य विद्यालय पचीरा में स्थित है वहॉ बच्चों के लिए शौचालय एवं पीने के लिए चापाकल की व्यवस्था है। बाकि बचे केन्द्रों पर पेयजल की

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

व्यवस्था नहीं है जिसके कारण बच्चों को पर्याप्त मात्रा में शुद्व पेयजल नहीं मिल पाता है क्योंकि जमीन मालिक ने चापाकल नहीं गरबाया है। अधिकांश आंगनबाड़ी केन्द्रों मे अलग से खाना बनाने की व्यवस्था नही है। बिजली की पर्याप्त व्यवस्था नहीं रहने के कारण पंखे की व्यवस्था नही है। बच्चों की बैठने के लिए दरी एवं खेलने के लिए खिलौने नहीं है। बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं रहने के कारण बच्चें का हाथ मिट्टी से गंदी हो जाती है जिससे उनमें डायरिया, पेट वाली कृमि होने की प्रबल सम्भावना बनी रहती है। बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की तौलने की मशीन है परन्तु 50 प्रतिशत मशीनें खराब पड़ी है। बच्चो एवं गर्भवती महिलाओं का वजन नही हो पा रहा है।

Issues raised by Sevikas

सेविकाओं का कहना है कि सरकार ने 1000 जनसंख्या पर एक आंगनबाड़ी बनाया है। 1000 जनसंख्या में हम लोगों को 56 लाभार्थियों का चयन सूखा पोषाहार के लिए, 40 बच्चों का स्कूल पूर्व शिक्षा के लिए जिसे केन्द्र संचालन के दिन पका भोजन खिलाने साथ में 3 किशोरी बालिकाओं को पका हुआ खाना के चयन करना पड़ता है। इससे पोषक क्षेत्र के बाकि लाभार्थियों को वंचित रखना पड़ता है इससे हमलोगों को काम करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई सेविकाओं ने कहा कि हमें 10,975 रूपये पोषाहार के लिए दिया जाता है। सरकार के अनुसार जो जितनी मात्रा देने को कहा है वह इस पैसे में सम्भव नहीं है क्योंकि सरकार की दर चावल 15 रूपये एवं दाल 40 रूपये खरीदने की है परन्तु महंगाई के कारण हमलोग बाजार से चावल 20 रूपये एवं दाल 45 से 50 रूपये खरीदते है। कुछ सेविकाओं का कहना था कि जितने लाभार्थि को सूखा पोषाहार देना है उससे ज्यादा लाभार्थि आ जाते है जिसके कारण मुझे उन लोगों को भी देना पड़ता है। वहीं बात 40 बच्चों की स्कूल पूर्व शिक्षा में कहती है कि उससे ज्यादा बच्चे हमारे केन्द्र पर आ जाते है जिससे कि हमें पका हुआ भोजन खिलाने में दिक्कतें होती है। सहयोग समिति की सेविका सरोज देवी का कहना है कि कभी–कभी हमलोगों को पैसा नहीं मिलता जिसके कारण हमलोगों को उस माह में बिस्कीट ही खिलाते है जों इसका असर हमपर पड़ता है। सभी 8 सेविकाओं का कहना है कि हमलोगों का प्रति माह 1500 रूपये मानदेय मिलता है वह भी 3 से 4 माह पर मिलता हैं इससे हमलोगो को भी परिवार चलाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

Condition of Take Home Rashan (THR) at Gram Panchayat Pachira

Table-1

क्रम सं0	आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	केन्द्र सं0	सेविका का नाम	कुल लाभार्थियो की संख्या	अंकेक्षण के दौरान कुल लाभार्थियों जिनसे साक्षात्कार लिया गया	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** कम मिला	कुल % जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	कागजात के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		परिवार के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		कुल % जो **THR** परिवार तक पहुँच सका		गबन की गई राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार लिया गया		गबन का कुल प्रतिशत
									चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	
1	दर्शन ऋषिदेव टोला	169	अनुराधा देवी	91	34	32	2	94.11	305	152.5	2	0.75	0.66	0.49	303	151.25	99.4
2	मुसहरी टोला, पचीरा	168	बीबी रफत जहाँ	133	71	64	7	90.14	849	428	9.75	4.25	1.15	0.99	839.25	423.75	98.9
3	शरणार्थी टोला, कजरा	164	गूँजन कुमारी	122	62	30	32	48.38	737	368.75	68	17.25	9.23	4.68	669.5	351.5	92.3
4	ब्राहण टोला, कमलपुर	165	सुलेखा देवी	142	72	17	55	23.61	1087	522.5	112	37.25	10.3	7.22	975	484.75	90.7
5	आदिवासी टोला, कजरा	166	निलम कुमारी	116	47	11	36	23.4	414	207	59.5	25	14.37	12.08	354.5	182	86.4
6	गोड़ी टोला	171	सरला कुमारी	159	70	40	30	57.14	318.25	147	63.5	19.5	19.5	13.27	254.75	127.5	82.16
7	गोस्वामी टोला	170	अनिता देवी	140	61	25	32	40.98	960.5	480.25	221	109.75	23.01	22.85	739.5	370.5	77
8	तितवाहा टोला	172	कंचन कौशकी	165	64	9	55	14	657	344	202.5	70	30.8	20.34	454.5	274	72.8
9	सहयोग समिति	167	सरोज देवी	134	62	4	58	6.45	761	379.5	349	165.75	45.86	43.65	412	213.75	54.86
कुल				1202	543	232	307	42.72	6088.8	3029.5	1087.3	449.5	17.85	14.83	5002	2579	83.14

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

उपरोक्त तालिका 1 के अनुसार अतिकुपोषित बच्चे, कुपोषित बच्चें, गर्भवति महिलाएं एवं धात्री महिलाओं जिनको एक साल के अन्दर सूखा पोषाहार दिया गया उनकी संख्या 1202 थीं। जो सूखा पोषाहार की कागजात उपलब्ध करायी गई उसमें कुछ ऑगनबाड़ी सेविका के द्वारा पूरे 1 साल की कागजात सूखा पोषाहार की उपलब्ध नहीं करायी गयी।सामाजिक अंकेक्षण टीम के सदस्यों के द्वारा कुल 543 लाभार्थियों से घर पर सम्पर्क किया गया। जिन 543 लाभार्थियों से सम्पर्क किया गया उसमें 232 (42.72%) लाभार्थियों को कुछ भी राशन नहीं दिया गया अर्थात् कागज पर उनके नाम दर्शाये गये एवं उनकी फर्जी दस्तखत करके उनका पोषाहार उठा लिया गया। बाकि बचें 307 (56.53%) को जो सूखा पोषाहार दिया गया उनकी भी मात्रा कागजात के अनुसार कम पायी गयी।

कागजात के अनुसार 543 लाभार्थियों में 6088.75 किलोग्राम चावल एवं 3029.5 किलोग्राम दाल बॉटी गयी। जब अंकेक्षण टीम ने बातें की तो परिवार के अनुसार 1087.75 किलोग्राम चावल एवं सिर्फ 449.5 किलोग्राम दाल परिवार को दिया गया। इस प्रकार 17.85% चावल एवं 14.83% दाल ही लाभार्थियों तक पहुँच पाया। इस प्रकार 5002 किलोग्राम चावल एवं 2579 किलोग्राम दाल 9 ऑगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा गबन की गयी। अगर चावल एवं दाल की मात्रा को जोड़ दिया जाएं तो हम पाते है कि 83.14% राशन का गबन किया गया, अर्थात् 100 किलोग्राम राशन में सिर्फ 16 किलोग्राम ही सूखा पोषाहार (THR) परिवार को दिया गया।

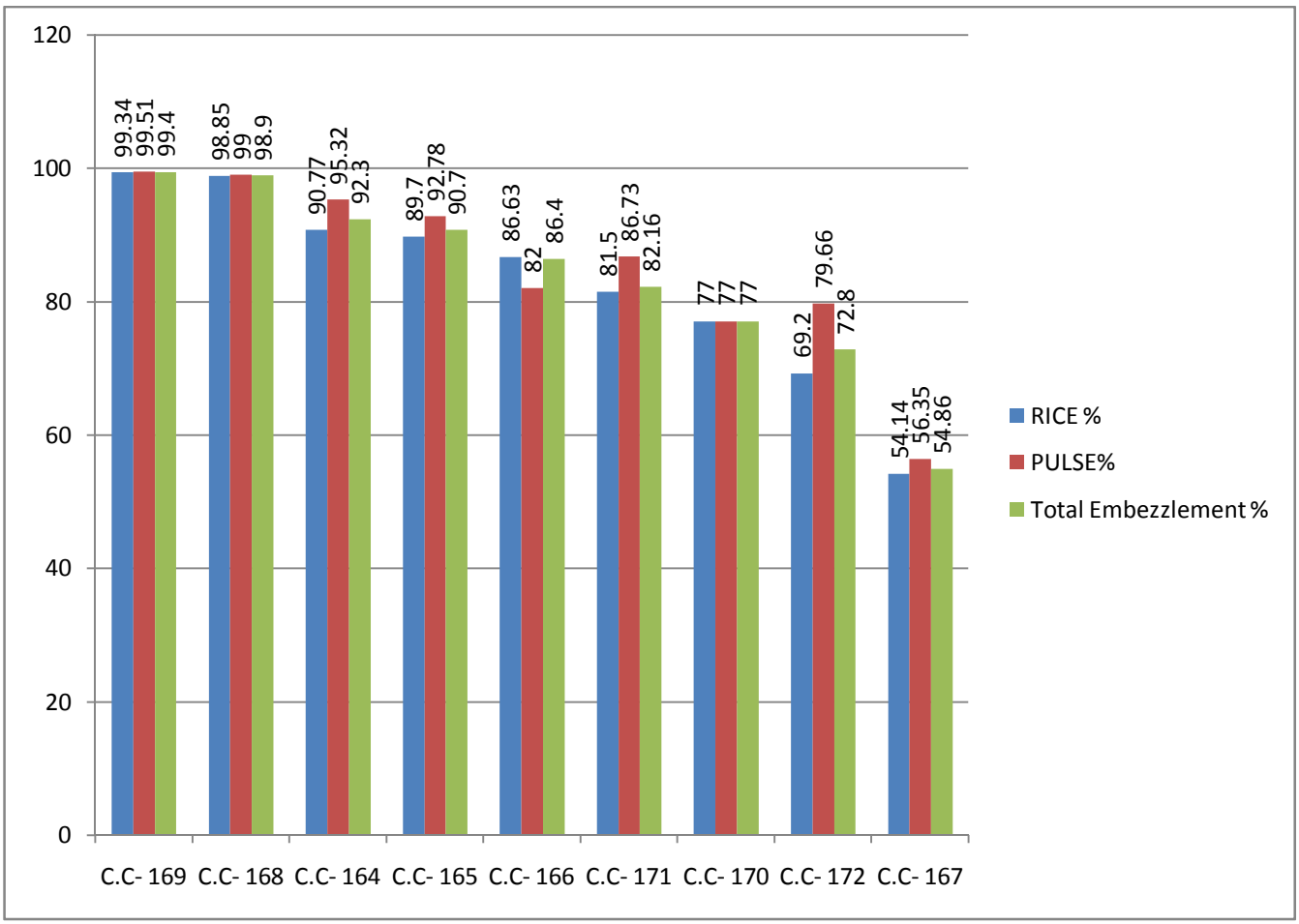

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

उपर के बार चार्ट से यह स्पष्ट होता है कि 9 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 6 आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या 169, 168, 164, 166, 171 एवं 165 ने 80 प्रतिशत से अधिक राशन की गबन की। केन्द्र संख्या 170 एवं 172 पर 70 प्रतिशत से 75 प्रतिशत के बीच एवं सिर्फ केन्द्र संख्या 167 पर गबन का प्रतिशत 55 प्रतिशत के लगभग रहा। जबकि कुल 9 आंगनबाड़ी केन्द्रों की गबन का प्रतिशत 83.14 प्रतिशत रहा।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

Table- 2 (THR distribution figure of Severely Malnourished children at Pachira Panchayat)

क्रम सं0	आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	केन्द्र सं0	सेविका का नाम	कुल लाभार्थियो की संख्या	अंकेक्षण के दौरान कुल लाभार्थियों जिनसे साक्षात्कार लिया गया	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** कम मिला	कुल % जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	कागजात के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		परिवार के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		कुल % जो **THR** परिवार तक पहुँच सका		गबन की गई राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार लिया गया		गबन का कुल प्रतिशत
									चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	
1	दर्शन ऋषिदेव टोला	169	अनुराधा देवी	21	8	8	0	100	58	29	0	0	0	0	58	29	100
2	मुसहरी टोला, पचीरा	168	बीबी रफत जहाँ	20	13	10	3	76.92	328	164	3.25	1.25	0.99	0.76	324.75	162.7	99
3	शरणार्थी टोला, कजरा	164	गूँजन कुमारी	19	9	7	2	77.77	204	102	4	1.5	1.96	1.4	200	100.5	98.2
4	ब्राहण टोला, कमलपुर	165	सुलेखा देवी	17	7	2	5	28.5	200	100	5.5	2.5	2.75	2.5	194.5	97.5	97.33
5	आदिवासी टोला, कजरा	166	निलम कुमारी	32	19	5	14	26.31	168	84	25	9.5	14.88	11.3	143	74.5	86.3
6	गोड़ी टोला	171	सरला कुमारी	41	19	3	16	15.78	87.25	46	3	1	3.4	2.1	84.25	45	96.99
7	गोस्वामी टोला	170	अनिता देवी	17	11	3	8	27.27	384	192	110.5	60	28.78	31.25	273.5	132	70.39
8	तितवाहा टोला	172	कंचन कौशकी	24	10	0	10	0	216	108	48.5	16.5	22.45	15.27	167.5	91.5	79.93
9	सहयोग समिति	167	सरोज देवी	27	10	1	9	10	196	98	72	33.75	36.73	34.44	124	64.25	64
कुल				218	106	39	67	36.72	1841.3	923	271.75	126	14.75	13.65	1569.5	796.95	85.61

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

उपरोक्त तालिका 2 के अनुसार 218 अतिकुपोषित बच्चों को सूखा पोषाहार दिया गया। समाजिक अंकेक्षण टीम सदस्यों के द्वारा 106 अर्थात् लगभग 49% लाभार्थियों के अभिभावकों से साक्षात्कार लिया गया। 106 लाभार्थियों में से 39 को अर्थात् लगभग 37% लाभार्थियों को कागजात पर सूखा पोषाहार वितरण का दिखाया गया, परन्तु उसे बिल्कुल सूखा पोषाहार नहीं दिया गया। बाकि बचे 63% को पोषाहार दिया गया, परन्तु कागजात के अनुसार से कम मिला।

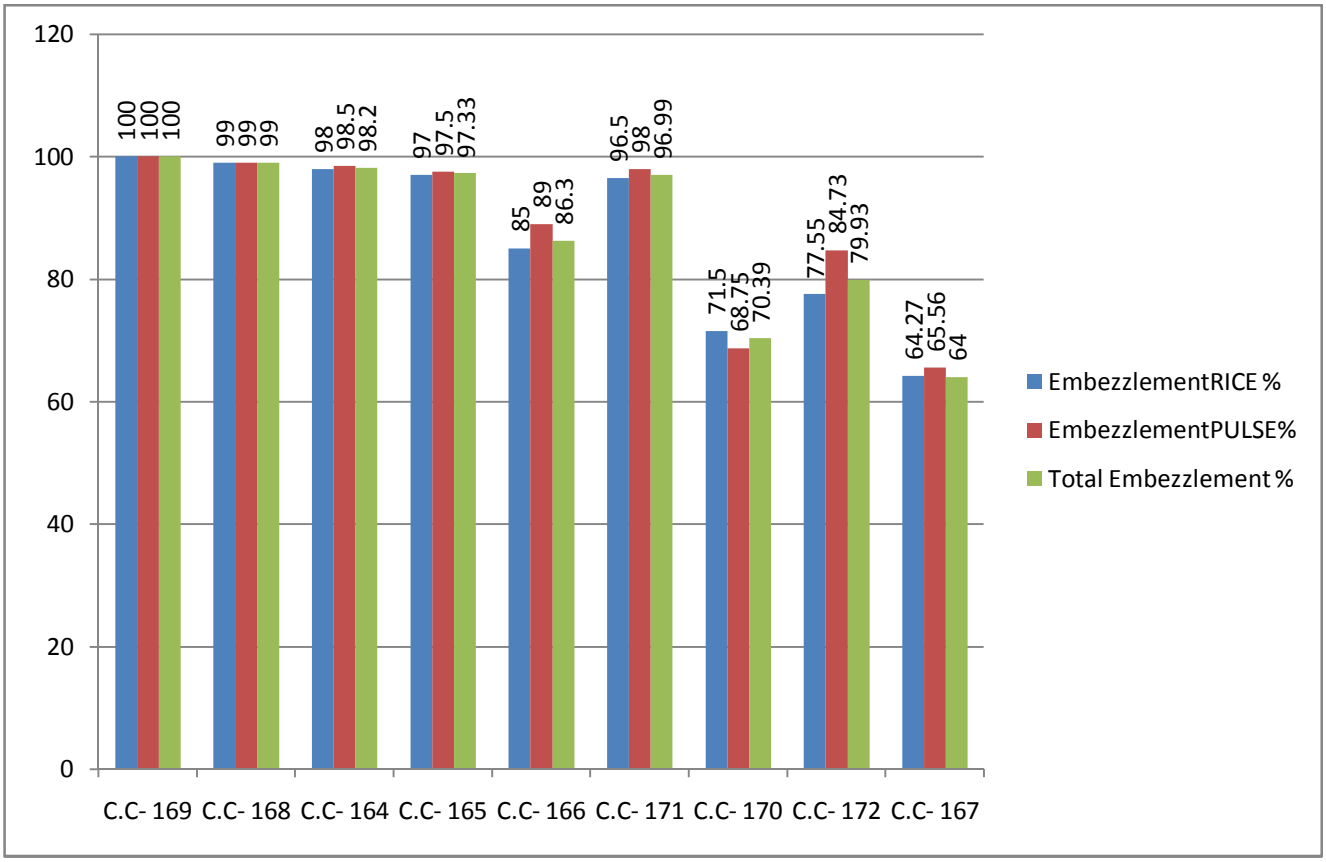

उपर के अतिकुपोषित बच्चे की पोषाहार की बार चार्ट को देखते है तो हम पाते है कि दर्शन ऋषिदेव टोला, आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या 169 में 100 प्रतिशत राशन का गबन किया गया। जबकि केन्द्र संख्या 168, 164, 165 एवं 171 में 95 प्रतिशत से अधिक राशन की गबन की गयी। बाकि बचे केन्द्र संख्या 166 का 85प्रतिशत, 170, 172, एवं 167 की केन्द्रों पर 65 प्रतिशत से अधिक की राशन गबन की गयी। कुल गबन का प्रतिशत लगभग 86 प्रतिशत रहा।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

Table 3- (THR distribution figure of Malnourished children at Pachira Panchayat)

कम सं0	आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	केन्द्र सं0	सेविका का नाम	कुल लाभार्थियो की संख्या	अंकेक्षण के दौरान कुल लाभार्थियों जिनसे साक्षात्कार लिया गया	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** कम मिला	कुल **%** जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	कागजात के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		परिवार के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		कुल **%** जो **THR** परिवार तक पहुँच सका		गबन की गई राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार लिया गया		गबन का कुल प्रतिशत
									चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल
1	दर्शन ऋषिदेव टोला	169	अनुराधा देवी	31	12	12	0	100	145	72.5	0	0	0	0	145	72.5	100
2	मुसहरी टोला, पचीरा	168	बीबी रफत जहाँ	42	15	13	2	86.66	170	90	3	1.5	1.76	1.66	167	88.5	98.26
3	शरणार्थी टोला, कजरा	164	गूँजन कुमारी	46	19	18	1	94.73	287	143.75	1	0.25	0.34	0.1	285	143.5	99.47
4	ब्राहण टोला, कमलपुर	165	सुलेखा देवी	49	30	8	22	26.66	616	308	29	11.5	4.7	3.7	587	296.5	95.61
5	आदिवासी टोला, कजरा	166	निलम कुमारी	47	14	4	10	28.57	120	60	18	10.5	15	17.5	102	49.5	84.16
6	गोड़ी टोला	171	सरला कुमारी	123	22	21	1	95.45	67	34	2	0.5	2.99	0.01	65	33.5	97.52
7	गोस्वामी टोला	170	अनिता देवी	56	19	7	12	36.82	312.5	156.25	39.5	16	12.64	10.24	273	140.25	88.16
8	तितवाहा टोला	172	कंचन कौशकी	77	21	3	18	14.28	189	110	67	24.5	35.44	22.27	122	86.5	69.73
9	सहयोग समिति	167	सरोज देवी	65	29	1	28	3.44	355	177.5	192	91.25	54.08	51.41	163	86.25	46.8
कुल				536	181	87	94	48	2261.5	1152	351.5	156	15.54	13.54	1909	997	85.13

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

उपरोक्त तालिका 3 के अनुसार 536 कुपोषित बच्चों को सूखा पोषाहार दिया गया। सामाजिक अंकेक्षण टीम सदस्यों के द्वारा 181 अर्थात् लगभग 33.77% लाभार्थियों के अभिभावकों से साक्षात्कार लिया गया। 181 लाभार्थियों में से 87 को अर्थात् लगभग 48% लाभार्थियों को कागजात पर सूखा पोषाहार वितरण का दिखाया गया, परन्तु उसे बिल्कुल सूखा पोषाहार नहीं दिया गया। बाकि बचे 94 अर्थात् 52% को पोषाहार दिया गया, परन्तु कागजात के अनुसार से कम मिला।

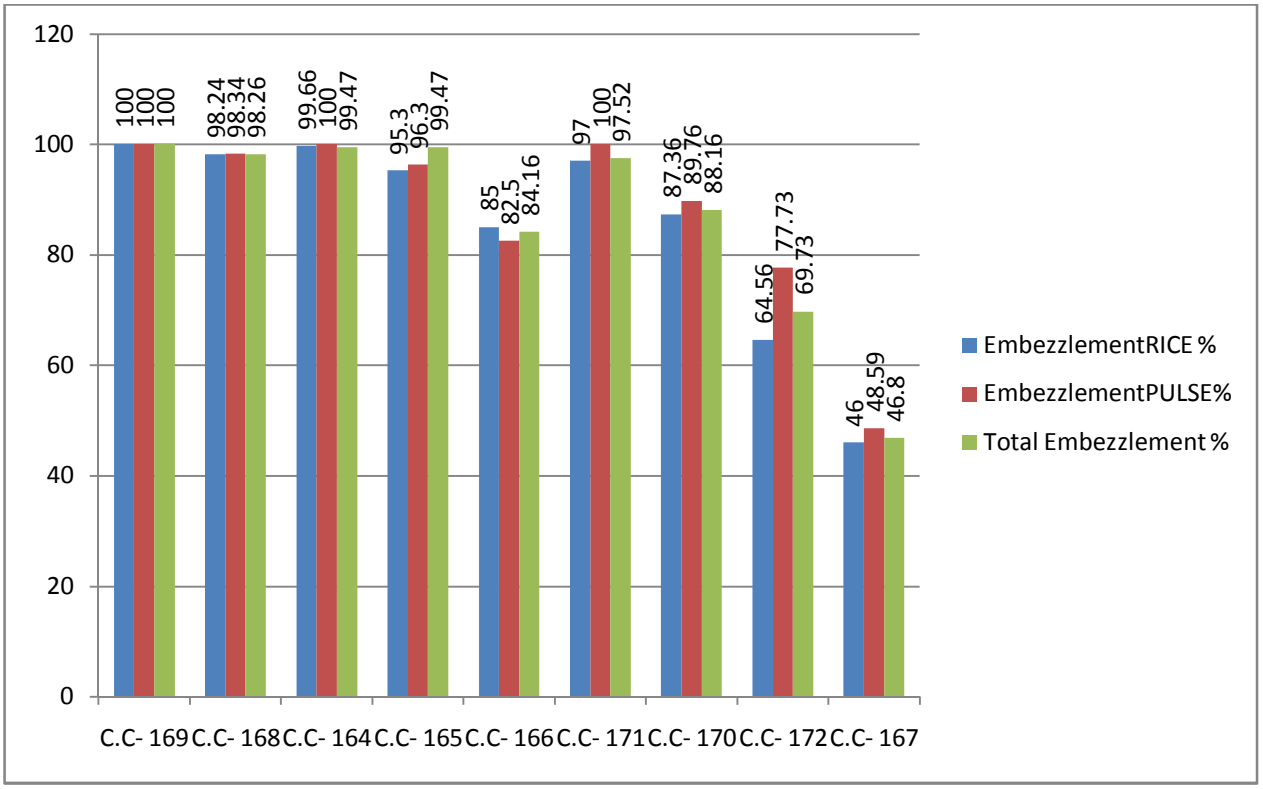

उपर के कुपोषित बच्चे की पोषाहार की बार चार्ट को देखते है तो हम पाते है कि दर्शन ऋषिदेव टोला, आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या 169 में 100 प्रतिशत राशन का गबन किया गया। जबकि केन्द्र संख्या 168, 164, 165 एवं 171 में 95 से लेकर 99 प्रतिशत से अधिक राशन की गबन की गयी। बाकि बचे केन्द्र संख्या 166, 170, का 85 प्रतिशत से 88 प्रतिशत तक 172 का 69 प्रतिशत से अधिक एवं 167 का ही सिर्फ 50 प्रतिशत से नीचे रहा। कुल गबन का प्रतिशत लगभग 85 प्रतिशत रहा।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

Table 4- (THR distribution figure of Pregnant Women at Pachira Panchayat)

क्रम सं0	आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	केन्द्र सं0	सेविका का नाम	कुल लाभार्थियो की संख्या	अंकेक्षण के दौरान कुल लाभार्थियों जिनसे साक्षात्कार लिया गया	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** कम मिला	कुल % जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	कागजात के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		परिवार के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		कुल % जो **THR** परिवार तक पहुँच सका		गबन की गई राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार लिया गया		गबन का कुल प्रतिशत
									चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल
1	दर्शन ऋषिदेव टोला	169	अनुराधा देवी	22	9	8	1	88.88	57	28.5	1	0.25	1.75	0.8	56	28.25	98.53
2	मुसहरी टोला, पचीरा	168	बीबी रफत जहाँ	42	23	23	0	100	162	81	0	0	0	0	162	81	100
3	शरणार्थी टोला, कजरा	164	गूँजन कुमारी	30	16	3	13	23	102	51	27	7.25	26.47	14.2	75	43.75	77.61
4	ब्राहण टोला, कमलपुर	165	सुलेखा देवी	36	22	5	17	22.72	172	68	50.5	14.75	29.36	21.69	121.5	53.25	72.81
5	आदिवासी टोला, कजरा	166	निलम कुमारी	22	6	1	5	16.66	45	22.5	8.5	3	18.89	13.33	36.5	19.5	82.96
6	गोड़ी टोला	171	सरला कुमारी	43	17	10	7	58.82	102	43.5	45	15.25	44	35	57	27.75	58.24
7	गोस्वामी टोला	170	अनिता देवी	35	17	6	8	35.29	135	67.5	52.25	24.5	38.7	36.29	82.75	43	62
8	तितवाहा टोला	172	कंचन कौशकी	33	20	4	16	20	159	79.5	55.5	18.5	34.9	23.27	103.5	61	68.97
9	सहयोग समिति	167	सरोज देवी	32	13	1	12	7.69	141	70.5	58	26	41.13	36.8	83	44.5	60.28
कुल				295	143	61	79	42.65	1075	512	297.75	109.5	27.69	21.38	777.25	402	74.3

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

उपरोक्त तालिका 4 के अनुसार 295 गर्भवति महिलाओं को सूखा पोषाहार दिया गया। सामाजिक अंकेक्षण टीम सदस्यों के द्वारा 143 अर्थात् लगभग 48.47% लाभार्थियों से साक्षात्कार लिया गया। 143 लाभार्थियों में से 61 को अर्थात् लगभग 42.66% लाभार्थियों को कागजात पर सूखा पोषाहार वितरण का दिखाया गया, परन्तु उसे बिल्कुल सूखा पोषाहार नहीं दिया गया। 79 अर्थात् 57.34% को पोषाहार दिया गया, परन्तु कागजात के अनुसार से कम मिला।

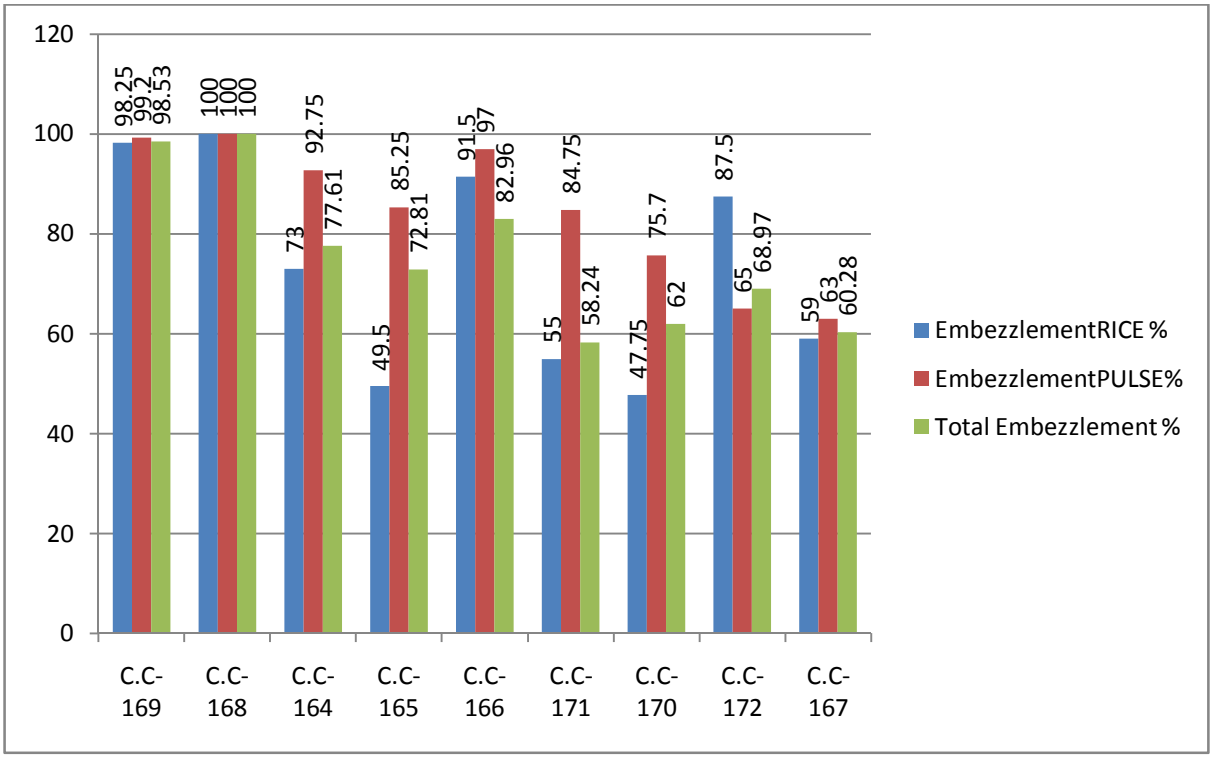

उपर के गर्भवति महिलाओं की पोषाहार की बार चार्ट को देखते है तो हम पाते है कि मुसहरी टोला, पचीरा की आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या 168 में 100 प्रतिशत राशन का गबन किया गया। जबकि केन्द्र संख्या 169, में भी लगभग 100 प्रतिशत गबन की गयी। केन्द्र संख्या 164, 165, 166 का 70 प्रतिशत से 80 प्रतिशत के बीच रहा। बाकि बचे केन्द्रों पर भी गबन का प्रतिशत लगभग 60 से उपर देखा गया। सभी 9 केन्द्रों की गबन की राशि इस श्रेणी में 74.3 प्रतिशत रहा।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

Table 5- (THR distribution figure of Lactating Women at Pachira Panchayat)

क्रम सं0	आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	केन्द्र सं0	सेविका का नाम	कुल लाभार्थियो की संख्या	अंकेक्षण के दौरान कुल लाभार्थियों जिनसे साक्षात्कार लिया गया	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	साक्षात्कार में मिलें कुल वैसे लाभार्थियों की संख्या जिनको **THR** कम मिला	कुल % जिनको **THR** बिल्कुल नहीं मिला	कागजात के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		परिवार के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		कुल % जो **THR** परिवार तक पहुँच सका		गबन की गई राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार लिया गया		गबन का कुल प्रतिशत
									चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	
1	दर्शन ऋषिदेव टोला	169	अनुराधा देवी	17	5	4	1	80	45	22.5	1	0.5	2.2	2.2	44	22	97.77
2	मुसहरी टोला, पचीरा	168	बीबी रफत जहाँ	29	20	18	2	90	189	93	3.5	1.5	1.85	1.61	185.5	91.5	98.23
3	शरणार्थी टोला, कजरा	164	गूँजन कुमारी	27	18	2	16	11.11	144	72	36	8.25	25	11.45	108	63.75	79.5
4	ब्राहण टोला, कमलपुर	165	सुलेखा देवी	40	13	2	11	15.38	99	46.5	27	9	27.2	19.39	72	37.5	75.25
5	आदिवासी टोला, कजरा	166	निलम कुमारी	15	8	1	7	12.5	81	40.5	8	2	10	5	73	38.5	91.76
6	गोड़ी टोला	171	सरला कुमारी	52	12	6	6	50	62	24	13.5	2.75	22	11.45	48.4	21.25	80.98
7	गोस्वामी टोला	170	अनिता देवी	32	14	9	5	64.28	129	64.5	18.75	9.25	14.53	14.34	110.25	55.25	85.52
8	तितवाहा टोला	172	कंचन कौशकी	31	13	2	11	15.38	93	46.5	31.5	10.5	33.87	22.58	61.5	36	69.89
9	सहयोग समिति	167	सरोज देवी	30	10	1	9	10	69	33.5	27	14.74	39.13	44.03	42	18.75	59.26
कुल				273	113	45	68	39.82	911	443	166.25	58.49	18.25	13.2	744.65	384.5	83.39

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

उपरोक्त तालिका 5 के अनुसार 273 धात्री महिलाओं को सूखा पोषाहार दिया गया। सामाजिक अंकेक्षण टीम के सदस्यों के द्वारा 113 अर्थात् लगभग 41.39% लाभार्थियों से साक्षात्कार लिया गया। 113 लाभार्थियों में से 45 को अर्थात् लगभग 43.36% लाभार्थियों को कागजात पर सूखा पोषाहार वितरण का दिखाया गया, परन्तु उसे बिल्कुल सूखा पोषाहार नहीं दिया गया। बाकि बचे 68 अर्थात् 60.18% को पोषाहार दिया गया, परन्तु कागजात के अनुसार से कम मिला।

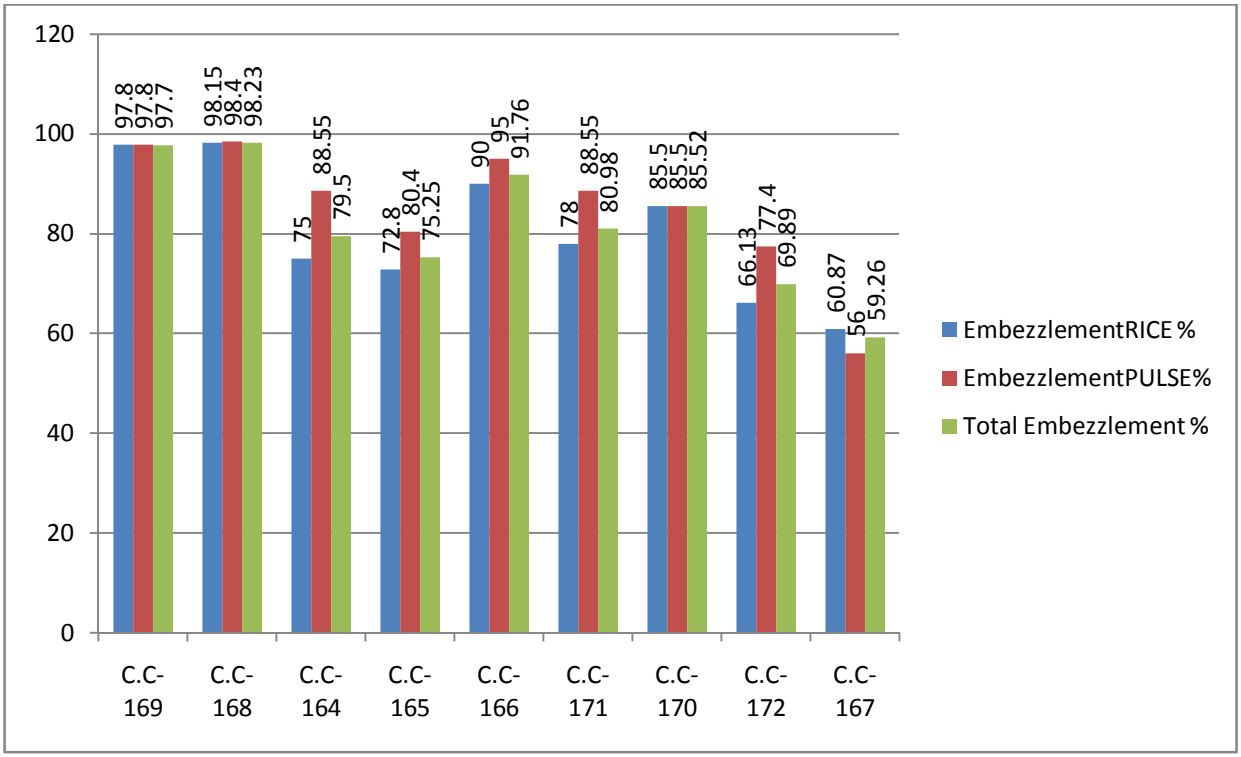

उपर के धात्री महिलाओं की पोषाहार की बार चार्ट को देखते है तो हम पाते है कि केन्द्र संख्या 169, 166 एवं 168 पर लगभग 90 प्रतिशत से उपर राशन का गबन किया गया। 5 ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर 75 से 85 प्रतिशत के बीच गबन किया गया। कुल गबन का प्रतिशत इस श्रेणी में लगभग 84 प्रतिशत रहा।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

Table 6- (Embezzled amount figure at Pachira Panchayat)

क्रम सं0	आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	केन्द्र सं0	सेविका का नाम	कुल लाभार्थियो की संख्या	अंकेक्षण के दौरान कुल लाभार्थियों जिनसे साक्षात्कार लिया गया	कागजात के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		परिवार के अनुसार बाँटे गए राशन की मात्रा किलोग्राम में जिनसे साक्षात्कार ली गई		कागजात एवं परिवार के बीच राशन की अन्तर		गबन की गई राशि सरकारी दर (15रूपये चावल एवं 40 रूपये दाल) के हिसाब से रूपये में		गबन की कुल राशि
						चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	चावल	दाल	
1	दर्शन ऋषिदेव टोला	169	अनुराधा देवी	91	34	305	152.5	2	0.75	303	151.25	4545	6050	10595
2	मुसहरी टोला, पचीरा	168	बीबी रफत जहॉ	133	71	849	428	9.75	4.25	839.25	423.75	12588.75	16950	29538.75
3	शरणार्थी टोला, कजरा	164	गूँजन कुमारी	122	62	737	368.75	68	17.25	669.5	351.5	10042.5	14060	24102.5
4	ब्राहण टोला, कमलपुर	165	सुलेखा देवी	142	72	1087	522.5	112	37.25	975	484.75	14625	19390	34015
5	आदिवासी टोला, कजरा	166	निलम कुमारी	116	47	414	207	59.5	25	354.5	182	5317.5	7280	12597.5
6	गोड़ी टोला	171	सरला कुमारी	159	70	318.25	147	63.5	19.5	254.75	127.5	3821.25	5100	8921.25
7	गोस्वामी टोला	170	अनिता देवी	140	61	960.5	480.25	221	109.75	739.5	370.5	11092.5	14820	25912.5
8	तितवाहा टोला	172	कंचन कौशकी	165	64	657	344	202.5	70	454.5	274	6817.5	10960	17777.5
9	सहयोग समिति	167	सरोज देवी	134	62	761	379.5	349	165.75	412	213.75	6180	8550	14730
कुल				1202	543	6088.8	3029.5	1087.3	449.5	5002	2579	75030	103160	178190

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

उपरोक्त तालिका 6 को देखतें है तो हम पाते है कि जो सामाजिक अंकेक्षण टीम को कागजात उपलब्ध करायी गयी उसके अनुसार कुल लाभार्थियों की संख्या 1202 थी जिसमें 543 से साक्षात्कार लिया गया। कागजात के अनुसार जिनसे अंकेक्षण टीम के सदस्य मिलें उनके अनुसार 543 लाभार्थियों में 6088.8 किलोग्राम चावल एवं 3029.8 किलोग्राम दाल वितरित की गयी। जबकि परिवार के अनुसार 1087.3 किलोग्राम चावल एवं 449.5 किलोग्राम दाल बॉटी गयी। इस प्रकार लाभार्थियों को 5002 किलोग्राम चावल एवं 2579 किलोग्राम दाल कम दिया गया अर्थात् इतनी अनाज का गबन किया गया।

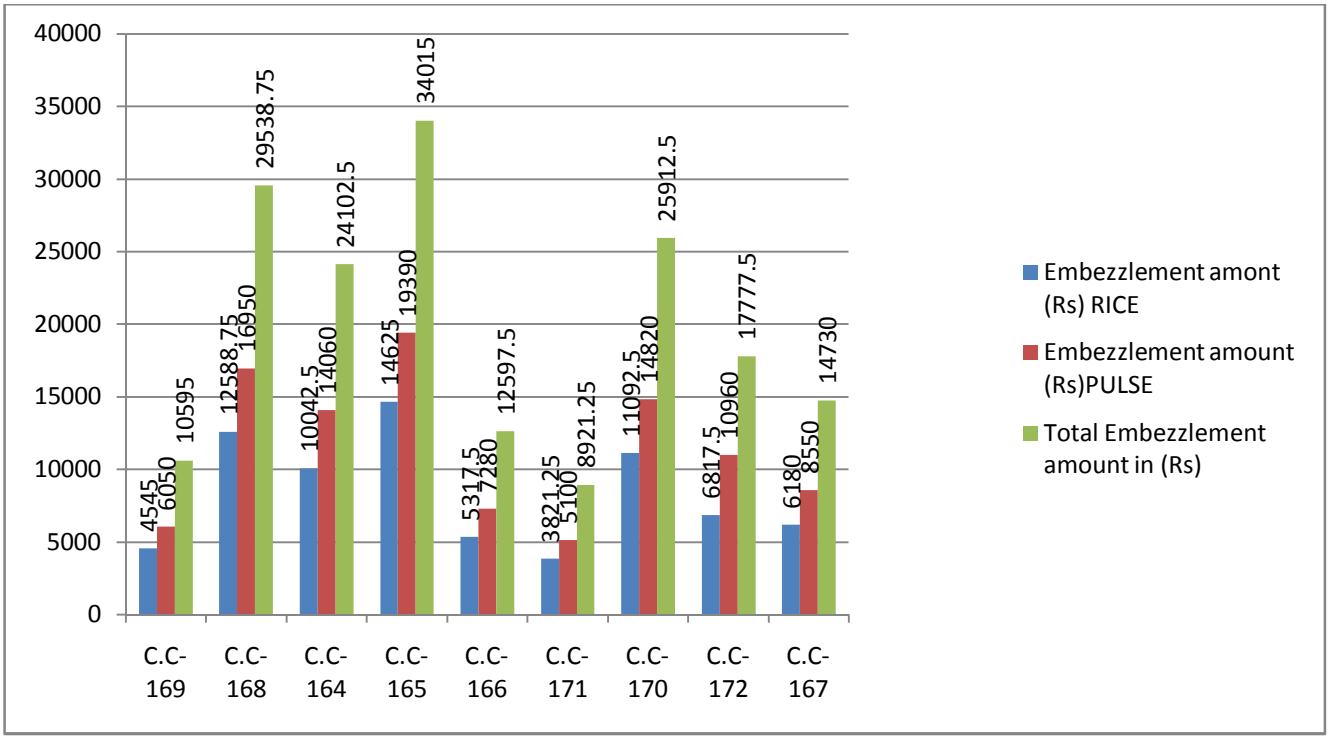

उपर की बार चार्ट जो गबन की राशि को दर्शाता है अगर हम उसे देखतें है तो पाते है कि 4 ऑगबाड़ी केन्द्रों की सेविका के द्वारा 20000 रूपयें से अधिक की राशि प्रति सेविका के द्वारा किया गया। बाकि की सभी सेविकाओं के द्वारा 10000 रूपये से अधिक की राशि प्रति केन्द्र पर गबन किया गया। कुल गबन की राशि 9 ऑगनबाड़ी केन्द्रों को मिला दे तो यह राशि 178190 रूपये हो जाती है।

Quality of THR

अंकेक्षण के दौरान अधिकांश लोगों ने ये शिकायत की जो चावल दिया जाता है वह अच्छे किस्म की नहीं होती। चावल टुटा हुआ होता है और साफ नहीं रहता। कभी–कभी चावल एवं दाल अलग–अलग नहीं बॉट कर उसे मिला दिया जाता है और वितरित कर दिया जाता है। कुछ ही लोगों ने बताया कि सूखा पोषाहार की गुणवत्ता सही रहती है।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

Inconsistency in measurement scale

अंकेक्षण के दौरान किसी लाभार्थि ने ये नहीं बताया कि उसे सूखा पोषाहार तौल कर दिया जाता है। कुछ ने बताया कि 1 किलोग्राम डब्बे से, कुछ ने 800 ग्राम अमूल, 250 ग्राम के डब्बे से सूखा पोषाहार दिया जाता है।

Beneficiaries changed arbitrarily

ऑगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा हमेशा अपने लाभार्थियों का नाम सूचि में बदलती रहती है। 40 लाभार्थी ही ऐसा मिला जिसे 3–4 बार राशन दिया गया। ऑगनबाड़ी केन्द्र संख्या 171 की सेविका ने 123 कुपोषित लाभार्थियों को 11 माह में सूखा पोषाहार वितरित की।

Confusion regarding when food is available for pickup

THR हर माह की 15 तारीख को बॉटा जाता है, कभी–कभी ही इसमें देरी होती है। सेविकाओं का कहना था कि हमलोग सूखा पोषाहार जिस दिन बॉटते है उस दिन सहायिका सारे लाभार्थियों को गॉवों में सूचना दे देती है। जबकि अंकेक्षण टीम से अधिकांश लोगों ने बताया कि हमलोगों को सूचना नहीं दी जाती है। लाभार्थियों ने ये भी शिकायत की कि सेविका निर्धारित समय तक पोषाहार नहीं बॉटती हैं।

Dress vs. Money

वर्तमान में स्कूल पोशाक के लिए प्रति आंगनबाड़ी 250 रूपये प्रति बच्चे के हिसाब से कुल 40 बच्चों के लिए 10000 रूपये की राशि आवंटित की गयी थीं। जब सामाजिक अंकेक्षण टीम ने इस मुद्दे पर लाभार्थियों के अभिभावकों से बातचीत की तो पाया गया कि 250 रूपये की राशि न देकर उसे 1 जोड़ी पोशाक दिया गया। जबकि अभिभावकों का हस्ताक्षर पोशाक की जगह 250 रूपये की राशि पर कराया गया। जबकि इस सम्बन्ध में सेविकाओं से बातचीत की गई तो उन्होनें बतायी की अभिभावकों की सहमति के आधार पर पोशाक दिया गया, जबकि अभिभावकों का कहना था कि उनकी सहमति नहीं ली गयी। पोशाक की गुणवत्ता भी अच्छी नहीं थीं।

Cooked Food

Centre not opened regularly

जब जनसुनवाई चल रही थीं उस दौरान कुछ लोगों ने शिकायत की केन्द्र का संचालन 30 दिनों में 15 दिन ही खुलता है जबकि आंगनबाड़ी के रिकॉर्ड को देखा गया तो पाया गया कि वो केन्द्र का संचालन 26 दिन करती है। अंकेक्षण टीम ने पाया कि औसतः प्रति दिन बच्चे की उपस्थिति 15 से 20 की है जबकि उनके रिकॉर्ड के अनुसार दैनिक उपस्थिति 36 से 40 के बीच की है।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

Menu not followed

समेकित बाल विकास परियोजना के द्वारा सप्ताह के 6 दिनों में 3 दिन खिचड़ी, 1 दिन रसीया, 1 दिन पुलाव एवं 1 दिन हलवा खिलाने के लिए उस मात्रा के अनुसार उसे पोषाहार की राशि उपलब्ध करायी जाती है परन्तु साक्षात्कार एवं जनसुनवाई के दौरान निम्नलिखित बातें निकल कर आयी–:

- प्रतिदिन खिंचड़ी खिलाई जाती है, मेनू के अनुसार नहीं दिया जाता है।
- प्रस्तावित खिंचड़ी में सब्जीयॉ नहीं मिलायी जाती है।
- कभी–कभी खिंचड़ी की जगह बिस्कुट और टॉफी ही दे दिया जाता है।

Quality and Quantity

साक्षात्कार के समय लोगों ने अंकेक्षण टीम को बताया कि खराब गुणवत्तापूर्ण खिंचड़ी बच्चों को खिलाया जाता है। खिंचड़ी में पानी की मात्रा ज्यादा रहती है। बच्चों को खिंचड़ी की मात्रा इतनी दी जाती है कि बच्चा घर आकर तुरन्त खाने की मॉग करते है।

Preschool

अधिकांश लोगों ने बताया कि बच्चें ऑगनबाड़ी केन्द्र पर सीख नहीं पाते। अंकेक्षण टीम ने जब सेविका से बातचीत की तो पाया गया कि अधिकांश केन्द्र पर बच्चों की खेलने का सामान उपलब्ध नहीं था। ये आश्चर्य लगता है कि केन्द्रों पर डेढ़ घंटे की पढ़ाई करायी जाती है और बच्चें कविता तक नहीं बोल पा रहे थें।

Health and Nutrition

जब अंकेक्षण टीम ने साक्षात्कार के दौरान उनसे पूछा कि क्या उनके बच्चें की ग्रेड की जानकारी उनको है? इस पर लगभग सभी ने कहा कि ऐसी बात की जानकारी उनको नहीं दी जाती है। जबकि सेविका के कथनानुसार वों घर जाकर लोगों को परामर्श देती है।

Immunization card not made available

जब अंकेक्षण टीम ने टीकाकरण के मुद्दे पर बात की तो पाया गया कि वहॉ पर पदास्थिापित ए0एन0एम0 श्रीमति बिन्दी कुमारी टीकाकरण का कार्य तो करती है परन्तु टीकाकरण कार्ड बनाने में 5 से 10 रूपये की राशि उनके द्वारा ली जाती है। श्रीमति बिन्दी कुमारी नें जनसुनवाई में ये बातें कबूल की।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

Community Participation

जनसुनवाई के दौरान ये बातें निकल कर आयी कि पंचायत में रहने वाले लोगों को किसी प्रकार की पोषाहार किन्यावयन समिति की जानकारी नहीं थीं। जब अंकेक्षण टीम ने गोस्वामी टोला की आंगनबाड़ी केन्द्र की पोषाहार किन्यावयन समिति रजिस्टर देखा तो पाया कि इस समिति की नियमित बैठक नहीं होती है, एवं न ही उनके उत्तरदायित्व से उनको अवगत कराया जाता हैं।

Intimidation/Coercion

जब सामाजिक अंकेक्षण टीम गेहूँ टोला, ऑगनबाड़ी केन्द्र संख्या 170 का भ्रमण कर रही थीं तो पता चला कि उस केन्द्र की सेविका श्रीमति अनिता देवी अपने पोषक क्षेत्र में घूम कर पहले ही कह दी थी कि कोई अगर आकर पोषाहार के बारें में पूछेगा तो आप लोग कहिऍगा कि हमलोगों को पोषाहार पूरा हमेशा मिलता है। लगभग इसी तरह की बातें अन्य सेविकाओं ने गॉवों में कहा कि आपलोग चुपचाप रहेंगें, आप उपर के आदमी को नहीं बताएंगें एवं जो इस बार गलतियॉ हुई है वह भविष्य में ऐसी गलतियॉ नहीं होगीं।

Public Hearing (जनसुनवाई)

सामाजिक अंकेक्षण के सदस्यों के द्वारा जब क्षेत्र में साक्षात्कार का काम खत्म हो गया तो 2 जून 2011 को पचीरा पंचायत के ईद गाह मैदान में एक जनसुनवाई करायी गयी। जनसुनवाई करवाने के पूर्व पूरी पंचायत में जनसुनवाई की प्रचार कराया गया। अंकेक्षण टीम के सदस्यों के द्वारा भी क्षेत्र में एक दिन पूर्व जाकर लोगों को इस जनसुनवाई में आने के लिए प्रेरित किया। जनसुनवाई के दिन निम्नलिखित व्यक्ति इसमें सम्मिलित हुए—:

- सरकार की ओर से जिला पदाधिकारी श्री एम0 सरवनन, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आई0 सी0 डी0 एस0) श्री चन्द्र प्रकाश, डी0 आर0 डी0 ए0 की ओर से अररिया के निदेशक, रानीगंज के एस0 डी0 ओ0, रानीगंज की बाल विकास पदाधिकारी श्रीमति गायत्री श्रीवास्तव, रानीगंज के मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी, पचीरा पंचायत की सभी 9 सेविका, पचीरा पंचायत की ए0एन0एम0 श्रीमति बिन्दु कुमारी, रानीगंज के पुलिसकर्मी।
- स्वयं सेवी संगठन जनजागरण शक्ति संगठन की ओर से कामायनी स्वामी, आशिष रंजन, अरविन्द कुमार, शिवकुमार, स्टुडेन्ट भोलेन्टीयर, पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क से कुन्दन लाल साह, कोशिश।
- पचीरा पंचायत के वर्तमान मुखिया।
- पंचीरा पंचायत की जनता।

जनसुनवाई अपने निर्धारित समय से 11 बजें शुरू हो गयी। सबसे पहले सारे लोगों ने परिचय दिया। उसके बाद आशिष ने मनरेगा में हुए सामाजिक अंकेक्षण के उपर प्रकाश

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

डाला। उन्होनें कहा कि इस बार की मनरेगा का अंकेक्षण सर्वे की तरह था। मुख्यतः हमलोग यहॉ समेकित बाल विकास परियोजना के उपर इस जनसुनवाई में चर्चा करेंगे। इसके बाद कुन्दन लाल साह ने समेकित बाल विकास परियोजना के उद्देश्यों एवं इसकी सेवाओं पर प्रकाश डाला। इसके बाद अंकेक्षण टीम के सदस्यों के द्वारा प्रत्येक ऑगनबाड़ी में किये गए अंकेक्षण एक–एक कर प्रस्तुत किए गया। इसमें लाभार्थी या उससे सम्बन्धित उनके अभिभावकों को एक–एक कर बुलाया गया। कागजात के अनुसार सूखा पोषाहार एवं परिवार के अनुसार वितरित की गयी पोषाहार पर चर्चा की गयी। जनता ने भयमुक्त वातावरण में सच्चाईयों को रखा। सभी विभागों के पदाधिकारियों ने भी जवाब तलब किया। जिलाधिकारी महोदय ने भी अपनी बात बीच–बीच में रखें, साथ–ही–साथ उन्होनें प्रश्न भी किया। इस जनसुनवाई में निम्नलिखित बातें निकल कर सामने आयी जो इसप्रकार है–:

- सेविका के द्वारा राशि का गबन किया गया जो उन्होनें कबूल की।
- सेविका के द्वारा भविष्य में ऐसी गलती नहीं करने का आश्वासन जनता एवं सरकार को दी।
- जिला पदाधिकारी के द्वारा गबन की राशि 15 दिन के अन्दर सरकारी कोष में जमा करने का आदेश दिया गया।
- जिला पदाधिकारी ने हर ऑगनबाड़ी केन्द्र के पोषक क्षेत्र में एक कमिटि बनाने को कहें और साथ में ये भी कहें कि कमिटि के सारे सदस्यों का हस्ताक्षर होना जरूरी है, अगर किसी के पोषाहार पर हस्ताक्षर नहीं होगा तो उसकी राशि को निर्गत नहीं किया जाएगा।
- बाल विकास परियोजना पदाधिकारी की कार्यशैली पर भी जिला पदाधिकारी के द्वारा प्रश्नचिन्ह लगाएं तथा साथ में भविष्य में उनको ठीक से काम करने का आदेश दिएं।

Key Findings

- 9 ऑगनबाड़ी केन्द्रों के द्वारा सूखा पोषाहार की गयी गबन का प्रतिशत 83 प्रतिशत रहा।
- 4 ऑगनबाड़ी केन्द्रो के द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक की राशन गबन की गयी।
- ऑगनबाड़ी केन्द्र संख्या 168, एवं 169 में सबसे अधिक लगभग 100 प्रतिशत राशन का गबन किया गया।
- सूखा पोषाहार में चावल की गुणवत्ता अच्छी नहीं पायी गयी तथा ऐसी भी शिकायत मिली की चावल एवं दाल को मिलाकर राशन वितरित की जाती है।
- पोषाहार की मापने का तरीका है गलत पायी गयी।
- मेनू के अनुसार खाना केन्द्र पर बच्चों को नहीं खिलाया जाता है।
- ऑगनबाड़ी केन्द्र औसतः 15 से 20 दिन प्रतिदिन खुलता है।
- बच्चों को नियमित पका खाना नहीं खिलाया जाता है।
- 9 ऑगनबाड़ी केन्द्रों की गबन की राशि 178190 रूपये रहा।
- 6 ऑगनबाड़ी केन्द्रों का मकान पक्के की नहीं है।

Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

- 8 ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर पेयजल एवं शौचालय की सुविधा का अभाव पाया गया।
- केन्द्र पर बच्चों की पढ़ाई की समुचित व्यवस्था का अभाव पाया गया।
- गृह भ्रमण का कार्य सेविकाओं के द्वारा नहीं किया जाता है।
- परिवार के सदस्यों को बच्चों की ग्रेडिंग नहीं बतायी जाती है।
- नियमित टीकाकरण कार्ड के लिए ए0एन0एम0 के द्वारा 5 से 10 रूपये की राशि ली जाती है।
- पोषाहार कियान्वयन समिति को उनके उत्तरदायित्व को नहीं बताया गया एवं साथ में नियमित बैठक नहीं होती है।
- बच्चों को पोशाक के लिए 250 रूपये देने थें उसकी जगह उनको पोशाक दिया गया परन्तु पोशाक की क्वालिटी अच्छी नहीं पायी गयी।
- निगरानी समिति किसी केन्द्र पर नहीं बनायी गयी है।

Recommendations

- गबन की गयी राशि 178190 रूपये शीघ्र सरकारी कोष में जमा कराया जाय।
- गबन की दोषी पायी गई सभी सेविकाओं पर तुरन्त कार्यवाही हो।
- पोषाक की राशि में जो गबन की गई वह प्रति लाभार्थी 150 रूपये के हिसाब से प्रति ऑगनबाड़ी केन्द्र से 6000 रूपये वापस ली जाए।
- ऑगनबाड़ी की ढाँचागत संरचना में सुधार हो।
- ऑगनबाड़ी कार्यकत्ताओं की बकाया मानदेय अविलम्ब उपलब्ध कराया जाय।
- केन्द्र की बकाया किराया अविलम्ब उपलब्ध कराया गया।
- चावल एवं दाल की कीमत को पुनः रिवाइज किया जाय।
- किन्यावन समिति जिस उद्देश्य के लिए बनाई गयी वह सफल नहीं है इसलिए नई समिति का गठन किया जाय।
- बिहार पंचायती राज एक्ट के नियमानुसार निगरानी समिति बनाई जाए।
- टीकाकरण कार्ड के लिए ए0एन0एम0 के द्वारा जो राशि ली जा रही है उसपर उसे कारण बताओं नोटिस दिया जाए।
- बाल विकास परियोजना की महिला परिवेक्षिका पर कारण बताओं नोटिस दिया जाए क्योंकि उनके क्षेत्र में अनियमितता पायी गयी है।
- बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को सस्पेंड एवं एफ0 आई0 आर0 किया जाए, क्योंकि सरकारी नियम के अनुसार वह ऑगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण नहीं करती तथा साथ में उसके क्षेत्र में अनियमितता पायी गयी।